चिकित्सीय आपातकाल/एम्बुलेंस सेवा के लिए कृपया 112 पर डायल करें।

अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 242 | श्री विजय पुरम, गुरूवार , 10 सितम्बर 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

होप टाउन में 50 मेगावाट एलएनजी आधारित विद्युत परियोजना कार्यान्वयन चरण में पहुंची

श्री विजय पुरम, 9 सितंबर। विद्युत विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने सूचित किया है कि होप टाउन, श्री विजय पुरम में लंबे समय से प्रस्तावित 50 मेगावाट एलएनजी आधारित विद्युत परियोजना ने कार्यान्वयन चरण में प्रवेश कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

21 जुलाई, 2026 को एनटीपीसी लिमिटेड और अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के बीच विद्युत खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद, परियोजना की कार्यान्वयन एजेंसी एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएन) ने 28 अगस्त, 2026 को इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) पैकेज के साथ–साथ सिविल पैकेज के लिए कार्यादेश पत्र (एलओए) जारी कर दिया है। इससे परियोजना के कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

परियोजना को ईपीसी पैकेज दिए जाने की तारीख से 28 माह के भीतर चालू किया जाना निर्धारित है। परियोजना के संचालन में आने के बाद, एलएनजी आधारित विद्युत संयंत्र से दक्षिण अण्डमान में विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता, दक्षता और स्थिरता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। इसके तहत डीज़ल आधारित विद्युत उत्पादन के एक महत्वपूर्ण हिस्से को अधिक स्वच्छ और किफ़ायती एलएनजी आधारित विद्युत उत्पादन से प्रतिस्थापित किया जाएगा। इस परियोजना से विद्युत उत्पादन की लागत कम होने तथा द्वीपों के लिए दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित होने की भी उम्मीद है।

विद्युत विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने गृह मंत्रालय, विद्युत मंत्रालय, एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएन), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) तथा अन्य सभी हितधारकों के प्रति आभार व्यक्त किया है, जिनके निरंतर मार्गदर्शन, सहयोग और समन्वित प्रयासों से यह प्रतिष्ठित परियोजना योजना के चरण से कार्यान्वयन के चरण तक पहुंच सकी है।

विभाग ने परियोजना को समय पर पूरा करने और चालू करने के लिए आवश्यक सभी सहयोग प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

द्वीप प्रशासन द्वारा जल संरक्षण और जल के विवेकपूर्ण उपयोग की अपील

श्री विजय पुरम, 9 सितंबर। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने आम जनता से जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने तथा दैनिक गतिविधियों में जल संरक्षण के उपाय अपनाने की अपील की है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान मानसून अवधि के दौरान अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में इस समय लगभग 21 प्रतिशत वर्षा की कमी दर्ज़ की गई है। मई से सितंबर की अवधि के दौरान धानीखाड़ी क्षेत्र में सामान्य रूप से प्राप्त होने वाली 4618 मिमी वर्षा की तुलना में केवल 1647 मिमी वर्षा हुई है।

कम वर्षा के कारण विशेष रूप से श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद (एसवीपीएमसी) क्षेत्र में जलाशयों और अन्य पेयजल स्रोतों के पुनर्भरण पर भी प्रभाव पड़ा है। वर्तमान में धानीखाड़ी बांध में जल की उपलब्धता व भंडारण 2400 एमएल है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 7532 एमएल था।

हालांकि प्रशासन स्थिति पर लगातार निगरानी रख रहा है और पेयजल आपूर्ति बनाए रखने के लिए आवश्यक उपाय कर रहा है, फिर भी जल एक साझा और सीमित संसाधन है तथा इसके संरक्षण के लिए प्रत्येक परिवार, संस्थान और व्यावसायिक प्रतिष्ठान की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

दैनिक आदतों में किए गए छोटे–छोटे बदलाव भी सामूहिक रूप से जल की पर्याप्त बचत में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

प्रशासन ने सभी निवासियों से जल बचाने के लिए निम्नलिखित सरल उपाय अपनाने की अपील की है:

- दांत साफ करते समय, बर्तन धोते समय या घरेलू कार्य करते समय नल को खुला न छोड़ें।
- टपकते हुए नलों, पाइपों, ऊपरी पानी की टंकियों और नलसाजी उपकरणों की तुरंत मरम्मत कराएं।
- ऊपरी पानी की टंकियों से पानी को बहने न दें। जहां संभव हो, स्वचालित बंद प्रणाली व फ्लोट वाल्व का उपयोग करें।
- वाहनों और बाहरी क्षेत्रों की सफाई के लिए खुले पाइप से बहते पानी के बजाय बाल्टी का उपयोग करें।
- आंगन, वाहन मार्ग और खुले स्थानों की अनावश्यक सफाई के लिए पीने योग्य पानी का उपयोग न करें।
- सब्ज़ियों को धोने तथा अन्य उपयुक्त घरेलू कार्यों से प्राप्त पानी का पुनः उपयोग बागवानी और सफाई के लिए करें।
- जहां संभव हो, वर्षा जल का संचयन एवं भंडारण करें और उसका उपयोग गैर–पेयजल संबंधी कार्यों के लिए करें।
- होटल, संस्थान, कार्यालय, व्यावसायिक प्रतिष्ठान और आवासीय समितियां समय–समय पर अपनी आंतरिक जल प्रणालियों में रिसाव की जांच करें और पानी की अत्यधिक खपत से बचें।
- सार्वजनिक जलापूर्ति नेटवर्क में दिखाई देने वाले किसी भी रिसाव या पानी की रोकी जा सकने वाली बर्बादी की सूचना तत्काल संबंधित एपीडब्ल्यूडी अधिकारियों को 03192–251185 या 18003451666 तथा एसवीपीएमसी अधिकारियों को 03192–231179 पर दें।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रशासन द्वारा एक साथ जल स्रोतों में वृद्धि, जल भंडारण क्षमता में सुधार, जल वितरण में होने वाली हानि को कम करने तथा पूरे द्वीपसमूह में दीर्घकालिक जल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उपाय किए जा रहे हैं। हालांकि, बुनियादी ढांचे में वृद्धि के प्रयासों के साथ–साथ जल का ज़िम्मेदार उपयोग भी आवश्यक है। इसलिए द्वीपसमूह के नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे जल संरक्षण को केवल पानी की कमी के समय अपनाए जाने वाले उपाय के रूप में नहीं, बल्कि अपनी नियमित आदत का हिस्सा बनाएं। आज बचाया गया प्रत्येक लीटर पानी कल समुदाय के लिए पर्याप्त जल उपलब्धता सुनिश्चित करने में योगदान देता है।

प्रशासन ने सभी द्वीपवासियों से इस बहुमूल्य संसाधन के ज़िम्मेदार, समान और सतत उपयोग को सुनिश्चित करने में सहयोग करने की अपील की है।

शहीद द्वीप में रैम्प योजना के तहत फैसिलिटेशन कैंप 11 सितंबर को

शहीद द्वीप, 9 सितंबर। सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा उद्योग विभाग के समन्वय से राइजिंग एंड एक्सेलेरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (रैम्प) योजना के तहत 11 सितंबर, 2026 को शहीद द्वीप स्थित नील केंद्र सामुदायिक भवन में फैसिलिटेशन कैंप का आयोजन किया जाएगा। रैम्प केंद्र सरकार की विश्व बैंक समर्थित योजना है, जिसका उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उद्यमों (एमएसएमई) की क्षमता, प्रतिस्पर्धात्मकता तथा बाज़ार एवं वित्त तक पहुंच को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों, एमएसएमई तथा अन्य संबंधित लाभार्थियों को रैम्प योजना के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न सहायता एवं सुविधाओं, विशेष रूप से पर्यटन क्षेत्र में उपलब्ध लाभों के संबंध में जागरूक करना है। इस शिविर में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में एस्ट्रो–टूरिज़्म (खगोलीय पर्यटन) को बढ़ावा देने तथा एस्ट्रो–टूरिज़्म से संबंधित उपकरणों की खरीद के लिए एमएसएमई के माध्यम से उपलब्ध सहायता के संबंध में विशेष रूप से जानकारी प्रदान की जाएगी।

शिविर के दौरान पात्र लाभार्थियों को एमएसएमई के अंतर्गत पंजीकरण, योजना के उद्देश्य, पात्रता मानदंड एवं उपलब्ध लाभों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जाएगी तथा पंजीकरण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार शहीद द्वीप के पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों, होमस्टे संचालकों, एमएसएमई तथा अन्य इच्छुक व्यक्तियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने और रैम्प योजना के तहत उपलब्ध सुविधाओं एवं लाभों की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठाने का आग्रह किया गया है।

ग्रामीण युवाओं के लिए डीडीयू–जीकेवाई 2.0 के तहत निःशुल्क आवासीय एवं रोज़गारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण

श्री विजय पुरम, 9 सितंबर। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के ग्रामीण विकास, पंचायती संस्था एवं शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के पात्र ग्रामीण युवाओं को दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयूजीकेवाई) 2.0 के अंतर्गत संचालित निःशुल्क, आवासीय एवं रोज़गारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करने हेतु एक गहन जनजुटाव अभियान शुरू किया है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं को उद्योगोन्मुखी कौशल से सुसज्जित करने तथा उनके रोज़गार की संभावनाओं में सुधार करने के लिए तैयार किया गया है। लागू डीडीयूजीकेवाई 2.0 प्रावधानों के अनुसार, प्रशिक्षण निःशुल्क आवासीय आधार पर प्रदान किया जाता है तथा प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद 100 प्रतिशत रोज़गार सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

हाल ही में, आयुक्त–सह–सचिव (ग्रामीण विकास/पंचायत), अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की अध्यक्षता वाली परियोजना अनुमोदन समिति ने निम्नलिखित रोज़गारोन्मुखी ट्रेडों को शामिल करते हुए कौशल प्रशिक्षण परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की :

क्र. सं.	पीआईए का नाम एवं कार्यालय मुख्यालय का पता	ट्रेड, क्षेत्र एवं प्रशिक्षण केंद्र का स्थान	एनक्यूआर/एनएसक्यूएफ के अनुसार न्यूनतम योग्यता	पात्रता मानदंड
1.	ऐश्वर्या विज्ञान एजुकेशनल सोसाइटी, नेल्लोर, आन्ध्र प्रदेश	ट्रेडः फ्रंट ऑफिस असिस्टेंट क्षेत्रः पर्यटन एवं आतिथ्य प्रशिक्षण केंद्रः दक्षिण अण्डमान, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह	• बिना किसी अनुभव के 10वीं उत्तीर्ण	○ आयु वर्गः 18 से 35 वर्ष (पुरुष) एवं 18 से 45 वर्ष (महिला)। • परिवार का समावेशनः सईसीसी–2011 के अनुसार, डीएवाई–एनआरएलएम एसएचजी/एएवाई/बीपीएल–पीएचएच/मनरेगा (वीबी–ग्रामजी)/पीएमजेएवाई से संबंधित होना चाहिए।
2.		ट्रेडः मल्टी–स्किल टेक्नीशियन (घरेलू उपकरण) क्षेत्रः इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र प्रशिक्षण केंद्रः दक्षिण अण्डमान, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह	• 3 वर्ष के अनुभव के साथ 8वीं उत्तीर्ण। • 2 वर्ष के अनुभव के साथ 10वीं उत्तीर्ण। • बिना किसी अनुभव के 12वीं उत्तीर्ण।	
3.		ट्रेडः सोलार पीवी इंस्टॉलर – इलेक्ट्रिकल क्षेत्रः हरित रोज़गार प्रशिक्षण केंद्रः दक्षिण अण्डमान, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह	• बिना किसी अनुभव के 12वीं उत्तीर्ण	
4.	ओरियन एजुकेशनल सोसाइटी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल	ट्रेडः गेस्ट सर्विस एग्जीक्यूटिव (फ्रंट ऑफिस) क्षेत्रः पर्यटन एवं आतिथ्य प्रशिक्षण केंद्रः दक्षिण अण्डमान, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह	• 3 वर्ष के अनुभव के साथ 12वीं उत्तीर्ण।	

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इन पाठ्यक्रमों का चयन युवाओं को व्यावहारिक एवं उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्रदान करने तथा उभरते हुए और सेवा क्षेत्र से जुड़े व्यवसायों में स्थायी रोज़गार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से किया गया है।

विकसित भारत युवा नेता संवाद (वीबीवाईएलडी) 2027 का आयोजन 10 जनवरी से नई दिल्ली में होगा

पंजीकरण व भागीदारी की अंतिम तिथि 30 सितंबर है

श्री विजय पुरम, 9 सितंबर। विकसित भारत युवा नेता संवाद (वीबीवाईएलडी) 2027 के संबंध में आज अण्डमान महिला मंडल, श्री विजय पुरम में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता का उद्देश्य मीडिया को कार्यक्रम के बारे में जानकारी देना और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के पात्र युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में इसमें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना था।

वीबीवाईएलडी 2027 भारत सरकार के युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय की एक राष्ट्रीय पहल है, जिसका उद्देश्य युवाओं को विकसित भारत/2047 के दृष्टिकोण के प्रति अपने विचारों, नेतृत्व क्षमता और नवोन्मेषी समाधानों का योगदान देने का अवसर प्रदान करना है। राष्ट्रीय स्तर का यह कार्यक्रम 10 से 12 जनवरी, 2027 तक नई दिल्ली में आयोजित किया जाना निर्धारित है। 15–29 वर्ष आयु वर्ग के युवा इसमें भाग लेने के पात्र हैं।

प्रेस वार्ता के दौरान अधिकारियों ने भागीदारी एवं चयन प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। यह प्रक्रिया विकसित भारत क्विज़ से शुरू होगी, जिसके बाद निबंध चुनौती, ज़िला चैंपियनशिप, राज्य/केंद्रशासित प्रदेश स्तर तथा राष्ट्रीय स्तर के वीबीवाईएलडी का आयोजन होगा। वीबीवाईएलडी 2027 के छह प्रमुख ट्रैक में विकसित भारत चैलेंज ट्रैक, सांस्कृतिक ट्रैक, भारत के लिए डिज़ाइन, सामाजिक सरोकार के लिए हैक, युवा उद्यमी चुनौती और युवा संसद शामिल हैं।

द्वीपसमूह के युवाओं को कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने तथा विभिन्न स्तरों पर अपने विचारों, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता को प्रदर्शित करने के इस अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। विकसित भारत क्विज़ भागीदारी की दिशा में पहला कदम है और पात्र युवाओं से 30 सितंबर, 2026 या उससे पहले अपना पंजीकरण एवं भागीदारी पूर्ण करने का आग्रह किया गया है।

वीबीवाईएलडी 2027 के लिए पंजीकरण

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पात्र युवा माई भारत पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण/लॉगिन कर विकसित भारत क्विज़ में भाग ले सकते हैं।

पंजीकरण/भागीदारी की अंतिम तिथिः 30 सितंबर, 2026

वीबीवाईएलडी 2027/विकसित भारत क्विज़ में पंजीकरण एवं माई भारत–विकसित भारत क्विज़ भागीदारी के लिए नीचे दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करें।

सीधा क्विज़ लिंक

https://mybharat.gov.in/quizzes/yuva/detail/uHzkZ9NIN0AdlPVjogfWMg/

मछली पकड़ने और दोहन के बाद की तकनीकों के दौरान स्वच्छतापूर्ण मछली रख–रखाव का प्रशिक्षण

श्री विजय पुरम, 9 सितंबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के मत्स्य विभाग द्वारा दक्षिण अण्डमान ज़िले के लिए कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए) की ज़िला कार्य योजना (डीएपी) 2026–27 के तहत 'मछली पकड़ने और दोहन के बाद की तकनीकों के दौरान स्वच्छतापूर्ण मछली रख–रखाव' विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 8 और 9 सितंबर, 2026 को प्रोथरापुर खंड के अंतर्गत जंगलीघाट मत्स्य अवतरण केंद्र में किया गया।

कार्यक्रम का समन्वय श्री हेमंतो कीर्तोनिया, प्रभारी, एफएलसी, जंगलीघाट द्वारा किया गया। इसमें खाद्य सुरक्षा विभाग और भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के क्षेत्रीय तल केंद्र, श्री विजय पुरम के तकनीकी सहयोग के साथ सागर मित्रों ने भी सहयोग प्रदान किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य मछुआरों में मछली के स्वच्छतापूर्ण रख–रखाव, मछली की ताज़गी बनाए रखने, उचित दोहन–पश्चात प्रक्रियाओं तथा खाद्य संदूषण और खाद्य जनित बीमारियों की रोकथाम के संबंध में जागरूकता एवं व्यावहारिक ज्ञान बढ़ाना था।

8 सितंबर, 2026 को प्रतिभागियों को श्री सैकत पॉल, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, श्री बिजॉय कुमार मंडल, खाद्य सुरक्षा अधिकारी तथा श्री सौम्यदीप पॉल, सहायक मत्स्य विकास अधिकारी द्वारा मछली की गुणवत्ता एवं ताज़गी बनाए रखने, स्वच्छतापूर्ण रख–रखाव की प्रक्रियाओं, स्वच्छता तथा संदूषण एवं खाद्य विषाक्तता की रोकथाम के उपायों सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने तथा मछली के रख–रखाव वाले क्षेत्रों, उपकरणों और कंटेनरों की साफ–सफाई के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया।

9 सितंबर, 2026 को भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, क्षेत्रीय तल केंद्र, श्री विजय पुरम के श्री पुरन सिंह, कनिष्ठ मत्स्य वैज्ञानिक तथा श्री कौशुभ बारगोडे, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक ने टूना मछली की कटाई, रख–रखाव और संरक्षण तकनीकों पर व्यावहारिक सत्र आयोजित किया। सत्र में गुणवत्ता में होने वाली गिरावट को न्यूनतम करने तथा मछली की बेहतर स्वच्छता एवं भंडारण अवधि सुनिश्चित करने के लिए उचित दोहन–पश्चात प्रक्रियाओं पर विशेष ध्यान दिया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के समापन पर सभी 20 प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण–पत्र वितरित किए गए। मछली पकड़ने तथा दोहन–पश्चात मछली के रख–रखाव के दौरान स्वच्छतापूर्ण प्रक्रियाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने और उन्हें सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से हाथ के दस्ताने और हैंड सैनिटाइज़र सहित आवश्यक स्वच्छता सामग्री भी प्रदान की गई।

बीस प्रशिक्षुओं ने लिया हस्तशिल्प पर पन्द्रह दिवसीय अल्पकालिक कौशल विकास प्रशिक्षण

श्री विजय पुरम, 9 सितंबर।

उद्योग निदेशालय द्वारा ग्राम पंचायत गुप्तापाड़ा, दक्षिण अण्डमान में आयोजित हस्तशिल्प पर 15 दिवसीय अल्पकालिक कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज विधिवत समापन हुआ। यह प्रशिक्षण पहल स्थानीय ग्रामीणों और पारंपरिक शिल्पकारों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई थी। इसके तहत नारियल के खोल, लकड़ी, बेंत, बांस और नारियल रेशे (कॉयर) सहित स्थानीय रूप से उपलब्ध पर्यावरण–अनुकूल कच्चे माल से वाणिज्यिक एवं उपयोगी उत्पाद तैयार करने के लिए तकनीकी कौशल प्रदान किया गया। कुल 20 प्रशिक्षुओं ने इस व्यापक व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया तथा सामग्री प्रसंस्करण, उत्पाद डिज़ाइन और टिकाऊ शिल्प तकनीकों में विशेष दक्षता प्राप्त की। यह कौशल विकास प्रयास उद्योग निदेशालय द्वारा ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने, स्वदेशी शिल्प परंपराओं के संरक्षण तथा ज़मीनी स्तर पर स्थायी आजीविका के अवसर सृजित करने के लिए चलाए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है।

ग्राम पंचायत गुप्तापाड़ा में आयोजित समापन समारोह में उद्योग निदेशालय के अधिकारियों श्री अल्वी कुट्टी, उप निदेशक और श्री लियाकत अली, एससीएफ तथा स्थानीय प्रतिनिधियों में श्रीमती अल्लादी रॉय, पीआरआई सदस्य और श्रीमती मोरीन दास ने शिरकत की। अतिथियों ने प्रशिक्षुओं को उनके समर्पण के लिए बधाई दी तथा 15 दिवसीय प्रशिक्षण सत्र के दौरान तैयार किए गए उत्पादों की उच्च गुणवत्ता की सराहना की। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार ग्रामीणों, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और पंचायती राज संस्था (पीआरआई) के सदस्यों ने इस तरह की प्रभावशाली कौशल विकास गतिविधियों के आयोजन के लिए उद्योग निदेशालय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने पूरे प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुओं द्वारा दिखाई गई उत्साहपूर्ण भागीदारी और प्रतिबद्धता की भी सराहना की तथा कहा कि इस प्रकार के स्थानीय कार्यक्रम आत्मनिर्भर ग्रामीण समुदायों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आधुनिक बकरी पालन पर किसान खेत पाठशाला

श्री विजय पुरम, 9 सितंबर।

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग द्वारा वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी एवं पशु चिकित्सालय, गाराचरामा की टीम के माध्यम से राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम) के तहत दक्षिण अण्डमान के न्यू बिम्बलीटान के प्रगतिशील किसान श्री राजीव के खेत में आधुनिक बकरी पालन पर किसान खेत पाठशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में स्थानीय किसानों और हितधारकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। श्री के. मणि वन्नन, पंचायती राज संस्था (पीआरआई) सदस्य ने भी प्रशिक्षण में प्रतिभागी के रूप में भाग लिया, जो कार्यक्रम के लिए समुदाय के मजबूत समर्थन को दर्शाता है।

इंटरैक्टिव सत्र के दौरान वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी ने पशुधन उद्यमियों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित सरकार की कई प्रमुख योजनाओं के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी। राष्ट्रीय पशुधन मिशन उद्यमिता विकास कार्यक्रम, पशुधन बीमा योजना, नस्ल सुधार के लिए बकरियों में कृत्रिम गर्भाधान तथा आसान संस्थागत ऋण सुविधा के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

पशु चिकित्सालय, गाराचरामा की विशेषज्ञ टीम ने बकरी पालन से संबंधित आवश्यक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी, जिसमें वैज्ञानिक तरीके से आवास व्यवस्था, संतुलित पोषण, नियमित स्वास्थ्य देखभाल, रोग प्रबंधन और फार्म की स्वच्छता शामिल हैं। प्रतिभागियों को स्टील के बेसिन जैसी उपयोगी सामग्री के साथ जलपान भी वितरित किया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का समापन एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ, जिसमें किसानों ने अपनी तकनीकी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। प्रतिभागियों ने अपने क्षेत्र में इस तरह के जानकारीपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के लिए विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग द्वीपसमूह में वैज्ञानिक बकरी पालन को बढ़ावा देने के लिए किसान खेत पाठशालाओं और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के आयोजन के प्रति प्रतिबद्ध है।

मौसम संबंधी चेतावनी

श्री विजय पुरम, 9 सितंबर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में 10 सितंबर को एक या दो स्थानों पर गरज के साथ बिजली चमकने तथा तेज हवाएं चलने की बहुत अधिक संभावना है। हवा की गति 30–40 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।

11 से 13 सितंबर तक अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा (07–11 सेमी) होने की बहुत अधिक संभावना है।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में एक या दो स्थानों पर गरज के साथ बिजली चमकने तथा तेज हवाएं (30–40 किमी प्रति घंटा तक की गति) चलने की बहुत अधिक संभावना है। 14 सितंबर को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में एक या दो स्थानों पर गरज के साथ बिजली चमकने तथा तेज हवाएं (30–40 किमी प्रति घंटा तक की गति) चलने की बहुत अधिक संभावना है।

निकोबार ज़िला पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई जारी

कार निकोबार, 9 सितंबर।

विश्वसनीय सूचना के आधार पर 8 सितम्बर, 2026 को पुलिस निरीक्षक मिथुन कीर्तानिया, थाना प्रभारी, पुलिस थाना कैंपबेल बे के नेतृत्व में पुलिस थाना कैंपबेल बे के पुलिस कर्मियों के साथ एक छापामार दल ने त्वरित एवं महत्वपूर्ण मादक पदार्थ विरोधी छापेमारी की। यह कार्रवाई श्री सैमुअल फ्रेड, एसडीपीओ, कैंपबेल बे (दानिप्स) के निर्देशन में की गई। तलाशी के दौरान संदिग्ध गांजे का एक पौधा आरोपी के आवासीय परिसर में रखे एक गमले में लगा हुआ पाया गया। इसके पश्चात आरोपी श्री मनोज कुमार, निवासी जोगिंदर नगर, कैंपबेल बे के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 20(क)(प) के तहत मामला दर्ज़ किया गया और उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपने आवासीय परिसर में गांजे का पौधा उगाने की बात स्वीकार की।

यह कार्रवाई श्री राहुल एल. नायर, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, निकोबार ज़िला के निकट पर्यवेक्षण में की गई। यह सफल ज़ब्ती निकोबार ज़िला पुलिस की अवैध मादक पदार्थ गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा द्वीपों को नशामुक्त रखने की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ज़ब्त किए गए मादक पदार्थ के स्रोत तथा इससे जुड़े अन्य नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

पुलिस अधीक्षक, निकोबार ज़िला से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में आम जनता से एक बार फिर आग्रह किया गया है कि समुद्र तट के किनारे पाए जाने वाली किसी भी संदिग्ध वस्तु को तुरंत पुलिस को सौंपें तथा समुद्र से बरामद किसी भी मादक पदार्थ को निकोबार ज़िले के किसी भी पुलिस थाने में जमा करें। स्वेच्छा से सौंपे जाने पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी।

आम जनता से अनुरोध किया गया है कि किसी भी अपराध या अन्य अवैध गतिविधियों से संबंधित जानकारी पुलिस को 112, 03192–265242/223265 एवं 9531856152 फोन नंबरों पर साझा करें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

स्कूल सुरक्षा एवं आपदा तैयारी पर शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण संचालित

श्री विजय पुरम, 9 सितंबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के आपदा प्रबंधन निदेशालय (डीडीएम) ने शिक्षा निदेशालय के समन्वय से 8 और 9 सितंबर, 2026 को लिंक रोड, गोलघर स्थित आपदा प्रबंधन भवन के प्रशिक्षण हॉल में स्कूल शिक्षकों के चौथे बैच के लिए स्कूल सुरक्षा एवं आपदा तैयारी पर दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी एवं निजी विद्यालयों के 50 शिक्षकों ने भाग लिया। 8 सितम्बर, 2026 को आयोजित उद्घाटन सत्र में आपदा प्रबंधन निदेशालय के सहायक निदेशक (प्रशासन) श्री जनिक राम ने प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा शैक्षणिक संस्थानों में आपदा तैयारी और सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने आपात स्थितियों और आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में जागरूकता, तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमता विकसित करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

दो दिवसीय कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं स्कूल सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। इनमें आपदा प्रबंधन की मूल बातें, स्कूल सुरक्षा, खोज एवं बचाव (एसएआर), चिकित्सा प्राथमिक प्रतिक्रिया (एमएफआर) तथा अग्नि सुरक्षा शामिल थे। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इन सत्रों में कक्षा व्याख्यान, संवादात्मक चर्चाएं, व्यावहारिक प्रदर्शन और प्रयोगात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं। इनका संचालन आपदा प्रबंधन निदेशालय, शिक्षा निदेशालय, स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) तथा अग्निशमन सेवाओं के विशेषज्ञों/संसाधन व्यक्तियों द्वारा किया गया।

अंत में, श्रीमती सुनंदा एम.वी., वैज्ञानिक 'एफ', भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस), हैदराबाद ने सभी प्रतिभागियों को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में सुनामी के खतरे तथा उससे निपटने के लिए आवश्यक तैयारी उपायों के बारे में भी जानकारी दी।

समुद्री खाद्य पदार्थों से मूल्यवर्धित उत्पाद विकास पर प्रशिक्षण संपन्न

श्री विजय पुरम, 9 सितंबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के मत्स्य विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के अंतर्गत जलवायु अनुकूल तटीय मछुआरा गांव (सीआरसीएफवी) पहल के तहत कोचीन स्थित राष्ट्रीय मत्स्य फसलोत्तर प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण संस्थान (एनआईएफपीएचएटीटी) के तकनीकी सहयोग से 'समुद्री खाद्य पदार्थों से मूल्यवर्धित उत्पाद विकास' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज फिश लैंडिंग सेंटर (एफएलसी), पानीघाट में समापन हुआ।

तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को 10 विभिन्न प्रकार के मूल्यवर्धित समुद्री खाद्य उत्पादों की तैयारी एवं विकास पर गहन तकनीकी और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इनमें ब्रेडेड एवं बैटर्ड समुद्री खाद्य उत्पाद, मछली का अचार, तली हुई मछली के उत्पाद तथा मछली से तैयार विभिन्न प्रकार की करी शामिल थीं। सत्रों में उत्पाद तैयार करने, प्रसंस्करण तकनीकों, स्वच्छतापूर्ण रख–रखाव, गुणवत्ता सुनिश्चित करने, संरक्षण तथा उचित फसलोत्तर प्रक्रियाओं के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया।

तकनीकी सत्रों एवं व्यावहारिक प्रदर्शनों का संचालन डॉ. नितिन सी. टी., प्रसंस्करण–सह–गुणवत्ता आश्वासन पर्यवेक्षक तथा श्री बिनीश के. मुकुंदन, प्रसंस्करण–सह–गुणवत्ता आश्वासन पर्यवेक्षक, एनआईएफपीएचएटीटी, कोचीन द्वारा किया गया। संसाधन व्यक्तियों ने प्रतिभागियों को विस्तृत मार्गदर्शन एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया, जिससे उन्हें समुद्री खाद्य उत्पादों की तैयारी, प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने व्यावहारिक सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया और स्थानीय रूप से उपलब्ध मत्स्य संसाधनों को मूल्यवर्धित उत्पादों में परिवर्तित करने की विभिन्न विधियों को सीखने में उत्साह दिखाया। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को लघु स्तर पर समुद्री खाद्य प्रसंस्करण और उद्यमिता को अतिरिक्त आजीविका के स्रोत के रूप में अपनाने की संभावनाओं को समझने का अवसर भी मिला।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफलतापूर्वक पूरा होने पर होप टाउन की प्रधान श्रीमती रशीदा बीबी तथा होप टाउन के पंचायत समिति सदस्य श्री बी. लक्ष्मीनारायण ने सभी प्रतिभागियों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण में सफल भागीदारी के लिए प्रमाण–पत्र वितरित किए।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रशिक्षण का एक उल्लेखनीय परिणाम यह रहा कि पांच प्रतिभागियों ने अपने स्वयं के समुद्री खाद्य मूल्यवर्धन केंद्र स्थापित करने में रुचि व्यक्त की। प्रतिभागियों ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त व्यावहारिक ज्ञान और प्रयोगात्मक कौशल से उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है तथा उन्हें समुद्री खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में उद्यमिता के अवसर तलाशने के लिए प्रेरणा मिली है।

प्रतिभागियों ने इस विशेष व्यावहारिक प्रशिक्षण के आयोजन के लिए मत्स्य विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन तथा एनआईएफपीएचएटीटी, कोचीन के प्रति आभार व्यक्त किया।

आकाशवाणी श्री विजय पुरम में प्रसारण सहायकों के लिए चयन परीक्षा

श्री विजय पुरम, 9 सितंबर।

आकाशवाणी श्री विजय पुरम द्वारा प्रसारण सहायकों के पैनल में शामिल करने के लिए चयन परीक्षा आयोजित की जाएगी। उम्मीदवारों के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक, हिंदी एवं अंग्रेज़ी भाषाओं में दक्षता तथा कंप्यूटर का ज्ञान आवश्यक योग्यताएं हैं। 31 अगस्त, 2026 को अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष है।

उपरोक्त योग्यताएं पूरी करने वाले तथा श्री विजय पुरम की नगरपालिका सीमा के भीतर निवास करने वाले उम्मीदवार निर्धारित प्रारूप में आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र ड्यूटी रूम, आकाशवाणी श्री विजय पुरम से प्राप्त किया जा सकता है। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र आकाशवाणी श्री विजय पुरम में जमा किए जा सकते हैं। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि 5 अक्टूबर, 2026 है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रसारण सहायक के रूप में चयन से भविष्य में नियमित रोज़गार का कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा। अधिक जानकारी के लिए उम्मीदवार आकाशवाणी श्री विजय पुरम से संपर्क कर सकते हैं।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, कोलिनपुर की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारों से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी– I/आर आर/2026–27/115

कार्य का नाम : कोलिनपुर, ग्राम पंचायत के अंर्तगत कोलिनपुर में कम्युनिटी हॉल के पास वाली गांव की सड़क से करूणा बिस्वास के घर तक सी सी रोड का नवीनीकरण।

अनुमानित लागत : रु. 13,03,752/–, धरोहर राशि : रु. 26,075/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (04) चार माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–. बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 23/09/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_24598_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I, जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, गुप्तापारा की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारों से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी– I/आर आर/2026–27/116

कार्य का नाम : गुप्तापारा, ग्राम पंचायत के अंर्तगत गुप्तापारा– I I I में गोकुल बैरागी के घर के पास फुटपाथ का नवीनीकरण, जिसमें पी सी सी टो वॉल का निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत : रु. 17,98,635/–, धरोहर राशि : रु. 35,973/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (04) चार माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–. बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 23/09/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_24601_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I, जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, बृंदाबन की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारों से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।

एन. आई. टी. संख्या : क.अ./पी आर आई/एस ए डी– I/आर आर/2026–27/110

कार्य का नाम : बृंदाबन ग्राम पंचायत के अंर्तगत बृंदाबन 03 में मुख्य सड़क से वसंती के घर से होते हुए गुणाशेखर के घर तक सी सी रोड का निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत : रु. 9,27,796/–, धरोहर राशि : रु. 18,556/–, कार्य समाप्ति की अवधि : (03) तीन माह।

निविदा शुल्क : रु. 500/–. बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 25/09/2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_24583_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल– I, जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

Phone: (Off.) 03192-230480, Fax: 03192-240486, E-mail: dss.and@nic.in

ANDAMAN AND NICOBAR ADMINISTRATION
DIRECTORATE OF SHIPPING SERVICES, SRI VIJAYA PURAM - 744101
No. P-16017/21/2023-PLG SECTION-SS-SHIP_AN/

CORRIGENDUM

Dated the 08th September, 2026

Reference is invited to the e-tender published vide tender reference No. P-16017/21/2023-PLG SECTION-SS-SHIP_AN dated 03.08.2026 (Tender ID 2026_DSS_23988_1 dated 03.08.2026) for "Construction and supply of four Rigid Inflatable Boats (RIBs)". The following has been revised due to administrative reasons:

1.	Last date and time of submission of bid	28.09.2026 at 1000 Hrs (IST)
2.	Opening date & time a) Unpriced Techno - commercial Bid	28.09.2026 at 1500 Hrs (IST)

All other terms & conditions apart from the mentioned above remains unchanged. This is for information of all intended participants.

Officer In-Charge (Planning)

9वां राष्ट्रीय पोषण माह 2026: हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 09 सितम्बर।

हर साल सितम्बर में मनाया जाने वाला राष्ट्रीय स्वास्थ्य माह बाल पोषण, मातृ स्वास्थ्य और प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास के बारे में जागरूकता बढ़ाने का एक राष्ट्रव्यापी प्रयास है। सितंबर 2026 में मनाया जाने वाला 9वां संस्करण "हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी" थीम पर आधारित है, जिसमें पोषण और प्रारंभिक देखभाल पर बातचीत के केंद्र में आंगनवाड़ी केंद्रों के सामुदायिक स्वामित्व को रखा गया है।

इस वर्ष का धन माह पांच प्राथमिकताओं पर आधारित है: आहार विविधता और पर्याप्त प्रोटीन सेवन को बढ़ावा देना; ताजा और विविध गर्म पके हुए भोजन को प्रोत्साहित करना; आंगनवाड़ी प्रबंधन समितियों के माध्यम से सामुदायिक भागीदारी और स्वामित्व को मजबूत करना; पोषण को संज्ञानात्मक विकास और प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा से जोड़ना; और भारत के मातृत्व लाभ कार्यक्रम, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के दस साल पूरे करना।

बाल रक्षा भारत (जिसे सेव द चिल्ड्रन इंडिया के नाम से भी जाना जाता है) में बाल पोषण हमारे स्वास्थ्य और पोषण कार्य का मूल है। हर सितंबर में, हम भारत में बाल और मातृ पोषण की रोजमर्रा की वास्तविकताओं पर प्रकाश डालने और H2% कार्यक्रम विवरण साझा करने के अवसर के रूप में पॉशन माह का उपयोग करते हैं कई घरों में आहार में अनाज की मात्रा अधिक होती है तथा प्रोटीन, फल और सब्जियों का सेवन सीमित होता है। बाल रक्षा भारत विकास निगरानी, मातृ एवं किशोर पोषण परामर्श और जीवन के पहले वर्षों में स्वस्थ विकास का समर्थन करने वाले विविध, स्थानीय रूप से उपलब्ध खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देने के माध्यम से इस अंतर को पाटने के लिए समुदायों के साथ सीधे काम करता है।

२००४ से, बाल रक्षा भारत ने भारत में २६ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में काम किया है, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पोषण, सुरक्षा, समावेशन, लचीलापन, आपदा राहत और आपातकालीन तैयारियों में फैले ६० से अधिक कार्यक्रमों के माध्यम से ११ मिलियन बच्चों तक पहुंच बनाई है। पोषण इस कार्य के स्तंभों में से एक बना हुआ है, विशेष रूप से पॉशन माह के दौरान, जब हम एनीमिया जागरूकता, आहार विविधता और उत्तरदायी देखभाल पर सामुदायिक पहुंच को तेज करते हैं।

राष्ट्रीय पोषण माह को २०१८ से हर सितंबर में पोषण साक्षरता बनाने और गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं, बच्चों और किशोरों के बीच स्वस्थ देखभाल प्रथाओं को प्रोत्साहित करने के लिए एक महीने तक चलने वाले, समुदाय–संचालित प्रयास के रूप में मनाया जाता है। आठ संस्करणों में इस अभियान ने देश भर में मातृ पोषण, शिशु एवं छोटे बच्चों के आहार, एनीमिया की रोकथाम, विकास निगरानी और स्वच्छता पर बातचीत को सामान्य बनाने में मदद की है।

2026 में होने वाला 9वां संस्करण इसी गति को आगे बढ़ाएगा, जिसमें प्रत्येक समुदाय में पोषण, देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा के केंद्र के रूप में आंगनवाड़ी केंद्र की भूमिका पर अधिक ध्यान दिया जाएगा।

आहार विविधता और पर्याप्त प्रोटीन परिवारों को दैनिक भोजन में अनाज और बाजरा, दालें, फल और सब्जियां, मेवे और बीज, तथा दूध और दूध उत्पादों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिसमें पौधे और पशु दोनों स्रोतों से पर्याप्त प्रोटीन पर विशेष ध्यान दिया जाता है—जो स्वस्थ वृद्धि और विकास के लिए आवश्यक है।

आंगनवाड़ी केंद्रों पर ताजा गर्म पका हुआ भोजन (एचसीएम): यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करता है कि बच्चों और माताओं को स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री जैसे बाजरा, दालें और मौसमी सब्जियों का उपयोग करके साप्ताहिक मेनू रोटेशन के माध्यम से लगातार ताजा, स्वच्छ और विविध गर्म पका हुआ भोजन मिले।

सामुदायिक स्वामित्व और जवाबदेही: पोषण संबंधी अधिकारों और दैनिक मेनू को समुदाय के लिए दृश्यमान बनाने, भोजन की गुणवत्ता और सेवा नियमितता की निगरानी में स्थानीय भागीदारी को प्रोत्साहित करने में आंगनवाड़ी प्रबंधन समितियों की भूमिका और एसएनपी मेनू बोर्डों के प्रदर्शन का पता लगाता है।

इतिहास के पन्नों में 10 सितम्बर

नई दिल्ली, 09 सितम्बर (हि.स.)।

1846 – एलियस होवे ने सिलाई मशीन का पेटेंट कराया।

1847 – हवाई द्वीप में पहला थियेटर खुला।

1887– प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और भारत के पहले गृहमंत्री, पंडित गोविंद वल्लभ पंत का जन्म हुआ था, जिन्हें उत्तर प्रदेश का पहला मुख्यमंत्री होने का गौरव भी प्राप्त है।

1926 – जर्मनी ने 'लीग ऑफ नेशंस' की सदस्यता ली।

1939 – कनाडा ने द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।

1966–संसद ने पंजाब एवं हरियाणा के गठन को मंजूरी दी।

1974–अफ्रीकी देश गिनी ने पुर्तग़ाल से स्वतंत्रता हासिल की।

1976 – इंडियन एयरलाइंस के बोइंग 737 विमान का लाहौर से अपहरण हुआ।

1991 – रॉक बैंड निर्वाण ने अपना प्रसिद्ध गीत स्मेल्स लाइक टीन स्पिरिट जारी किया था।

1996 – संयुक्त राष्ट्र आम सभा में व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि 3 के मुकाबले 158 मतों से स्वीकृत। भारत सहित तीन देशों द्वारा संधि का विरोध।

1926 – जर्मनी ने 'लीग ऑफ नेशंस' की सदस्यता ली।

2002–यूरोपीय देश स्विट्जरलैंड संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बना।

2003 – विश्व व्यापार संगठन की पांचवी मंत्रिस्तरीय बैठक कानकुन में प्रारम्भ।

2007 – नाटकीय घटनाक्रम के बीच पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ़ को स्वदेश लौटने के बाद पुनः जेद्दा निर्वासित किया गया।

2008 – सर्वोच्च न्यायालय ने उपहार अग्निकांड मामले में दोषी ठहराये गए अंसल बंधुओं की जमानत रद्द की।

2009 – जेट एयरवेज प्रबंधन और उसके पायलट व्यापक समझौते पर राजी हुए।

2011– भारत–अमेरिका रणनीतिक सहयोग को 21वीं सदी के लिए महत्त्वपूर्ण और अपरिहार्य बताते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा है कि दोनों देशों के बीच गहरे और व्यापक संबंध हैं, जिनका उद्देश्य एशिया और दुनिया में शांति और समृद्धि क़ायम करना है।

2016– रियो पैरा ओलंपिक में मरियप्पन थंगावेलु ने स्वर्ण पदक और वरुण भाटी ने कांस्य पदक जीता।

2020 – भारतीय वायुसेना में फ्रांस निर्मित बहुउद्देश्यीय राफेल लड़ाकू विमानों को शामिल किया गया।

ऑस्ट्रेलिया में बना दुनिया का सबसे भारी गोल्ड बार, 521 किलो वजन ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 09 सितम्बर।

सोने की छोटी–सी ईंट या गोल्ड बार तो आपने कई बार देखी होगी, लेकिन क्या आपने कभी 521 किलो से ज्यादा वजन वाली सोने की ईंट के बारे में सुना है? ऑस्ट्रेलिया में कुछ ऐसा ही कारनामा हुआ है, जहां 521.2 किलोग्राम वजन का विशाल गोल्ड बार तैयार किया गया है। इस असाधारण सोने की ईंट ने दुनिया का सबसे भारी गोल्ड बार होने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इस विशाल गोल्ड बार को ऑस्ट्रेलिया की मशहूर The Perth Mint ने तैयार किया है। Guinness World Records के मुताबिक इसका वजन करीब 1,149 पाउंड है। आकार और वजन इतना ज्यादा है कि इसे सामान्य तरीके से इंसान उठाना तो दूर, इसे इधर–उधर करने के लिए भी विशेष मशीनों और सुरक्षा व्यवस्था की जरूरत पड़ती है। 521 किलो सोना कितना भारी है?

इस गोल्ड बार के वजन का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह करीब आठ वयस्क लोगों के संयुक्त वजन के बराबर है। आमतौर पर सोने की ईंटें इतनी छोटी होती हैं कि उन्हें आसानी से हाथ में उठाया जा सकता है, लेकिन 521.2 किलो के इस बार के सामने

सामान्य गोल्ड बार बेहद छोटे नजर आते हैं। Guinness World Records ने इस विशाल गोल्ड बार का वीडियो अपने आधिकारिक Instagram अकाउंट पर भी साझा किया है। वीडियो सामने आने के बाद यह लोगों के बीच काफी चर्चा का विषय बन गया।

इस रिकॉर्ड बनाने वाले गोल्ड बार की एक खास बात यह भी है कि इसके लिए सोना किसी एक कंपनी से नहीं आया। रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया की 9 बड़ी गोल्ड माइनिंग कंपनियों ने इसमें योगदान दिया। इनमें से 7 कंपनियां Western Australia से जुड़ी हुई हैं।

एआई 'पहाड़ी मवेशियों' पर नजर रख सकती है, मिथुन मवेशी के व्यवहार का हो रहा अध्ययन

नई दिल्ली, 09 सितंबर (हि.स.)।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता 'पहाड़ी मवेशियों' पर नजर रख सकती है और यह किसानों के अपने झुंडों की निगरानी करने के तरीके को बदल सकती है। इसी क्रम में नागालैंड स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–राष्ट्रीय मिथुन अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिकों ने मिथुन के व्यवहार की वास्तविक समय में पहचान और निगरानी के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणाली विकसित की है। यह तकनीक पशुओं के स्वास्थ्य, कल्याण, पोषण, प्रजनन और प्रबंधन में उपयोगी साबित हो सकती है। अध्ययन 'इंजीनियरिंग रिसर्च एक्सप्रेस' में प्रकाशित हुआ है।

शोध के लिए केंद्र के फार्म में 12 उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए गए, जो दिन–रात निगरानी के साथ रात में अवरक्त दृश्य भी उपलब्ध कराते हैं। वैज्ञानिकों ने 3,000 चित्रों का आंकड़ा तैयार किया, जिनमें मिथुन के चार प्रमुख व्यवहार–खाना, खड़ा होना, लेटना और प्रजनन के दौरान चढ़ना–को चिह्नित किया गया। प्रणाली में व्यवहार की पहचान के लिए योलोवी8एन और अलग–अलग पशुओं की पहचान बनाए रखने के लिए डीपसॉर्ट तकनीक का इस्तेमाल किया गया।

योलोवी8एन मॉडल ने 99.5 प्रतिशत औसत सटीकता और 99.6 प्रतिशत रिकॉल हासिल किया। एनवीडिया आरटीएक्स 3060 पर यह प्रणाली लगभग 31 फ्रेम प्रति सेकंड की गति से काम करती है। इसे पशुओं के आंशिक रूप से छिपे होने, पृष्ठभूमि में अव्यवस्था, गीली या असमान जमीन, छाया, गति से धुंधले दृश्य और रात के अवरक्त फुटेज जैसी परिस्थितियों में भी परखा गया।

उल्लेखनीय है कि मिथुन पूर्वोत्तर भारत के जनजातीय समुदायों के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पशु है। वैज्ञानिकों के अनुसार भोजन, खड़े रहने और लेटने के व्यवहार में बदलाव स्वास्थ्य या शारीरिक स्थिति में परिवर्तन का संकेत दे सकते हैं, जबकि चढ़ने के व्यवहार से प्रजनन और मद चक्र की निगरानी में मदद मिल सकती है। फिलहाल प्रणाली का परीक्षण एक ही फार्म पर हुआ है। भविष्य में अलग–अलग क्षेत्रों, मौसमों और फार्मों में परीक्षण के साथ आक्रामकता, साफ–सफाई और बीमारी से जुड़ी निष्क्रियता जैसे अन्य व्यवहारों की पहचान भी जोड़ी जाएगी।

अब ChatGPT आपके राइटिंग स्टाइल में लिखेगा, जानें कैसे एक्टिवेट करें यह नया फीचर

नई दिल्ली, 09 सितम्बर।

OpenAI अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैटबॉट ChatGPT को पर्सनल बनाने जा रहा है. अब ChatGPT उन यूजर्स के लिए और ज्यादा पर्सनल बन रहा है, जो इसका इस्तेमाल अपने रोजमर्रा के काम करने के लिए करते हैं. यानी अब इसमें एक नया राइटिंग स्टाइल फीचर आया है. यह फीचर समझ सकता है कि कोई यूजर आमतौर पर किस तरह से बातचीत करता है या लिखता है. फिर चैटबॉट उसी पैटर्न को भविष्य में तैयार किए जाने वाले ड्राफ्ट में शामिल करता है.

अब आपको हर बार चैटबॉट ChatGPT को यह बताने की जरूरत नहीं पड़ेगी कि किसी ईमेल को 'मेरे लिखने के अंदाज में तैयार करो. यह फीचर आपके पहले से मौजूद काम को देखकर ही लिखने के तरीके को समझेगा.

यह उन शब्दों, भाषा, कहावतों और वाक्यों को पहचान सकता है, जिनका अक्सर आप इस्तेमाल करते हैं. इतना ही नहीं, यह आपके टोन और मैसेज की भाषा को भी समझने की पूरी कोशिश करता है.

आप Gmail, Google Drive, Slack और SharePoint जैसे रोजाना इस्तेमाल किए जाने वाले टूल्स को ChatGPT Work से कनेक्ट कर सकते हैं. इसके बाद ChatGPT Work आपके ईमेल, मैसेज और फाइलों से आपकी तरह लिखना सीख जाएगा. आप जो भी लिखेंगे, भविष्य में ये टूल्स आपके राइटिंग स्टाइल में भी लिखेंगे. आपके लिखने के अंदाज में ही ChatGPT आपके लिए कोई भी मैसेज या बातचीत तैयार कर सकता है.

इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि एआई आपके पुराने मैसेज को कॉपी करेगा. ChatGPT सिर्फ आपके लिखने के स्टाइल और भाषा को ध्यान में रखकर कोई मैसेज तैयार करेगा. राइटिंग स्टाइल में पंक्चुएशन, पसंदीदा शब्द और टोन को शामिल किया जाता है और जब आप इस टूल से कुछ लिखवाते हैं, तो ये आपके स्टाइल में ही मैसेज तैयार करता है.

ChatGPT, राइटिंग सिस्टम टेक्स्ट में पैटर्न को समझने के लिए Natural Language Processing (NLP) का इस्तेमाल करते हैं. यह देखता है कि आप शब्दों को एक–दूसरे के साथ कैसे इस्तेमाल कर रहे हैं और आपके मैसेज का टोन कैसा है.

इस फीचर को लोग ऑफिस के कामों के लिए उपयोग में ला सकते हैं. ऑफिस के लिए लोगों को अक्सर एक जैसे ई–मेल और मैसेज लिखने पड़ते हैं. ऐसे में एआई आपको आपके स्टाइल में मैसेज लिखकर दे सकता है.

ChatGPT Writing Style कैसे एक्टिवेट करें?

इस फीचर को एक्टिवेट करना काफी आसान है–

इसके लिए सबसे पहले ChatGPT ऐप में Settings ऑप्शन पर जाएं.

अब Personalisation ऑप्शन पर जाएं.

यहां राइटिंग स्टाइल विकल्प को चुनें.

फिर अपनी पसंद के अनुसार इसे कॉन्फिगर करें.

इस फीचर को एक्टिवेट करने के बाद यह चैटबॉट आपके लिखने के अंदाज को समझ सकता है और भविष्य में आपके स्टाइल में ही लिख सकता है.

इस फीचर की मदद से आप ChatGPT से अपने स्टाइल में ही ईमेल और मैसेज को उसी स्टाइल में लिखवा सकते हैं. आपको बता दें कि यह फीचर वेब पर उपलब्ध है और इसके लिए आपको पेड प्लान की जरूरत है.

जोधपुर में शुरू हुआ भारत–जापान की वायु सेनाओं का संयुक्त अभ्यास 'वीर गार्जियन'

जोधपुर, 09 सितम्बर (हि.स.)। भारतीय वायु सेना और जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के बीच संयुक्त हवाई अभ्यास 'वीर गार्जियन' बुधवार से जोधपुर में शुरू हो गया। यह अभ्यास 22 सितंबर तक चलेगा। दोनों देशों के बीच होने वाले इस संयुक्त अभ्यास का मुख्य उद्देश्य रक्षा सहयोग को और मजबूत करना है। इस दौरान भारत और जापान की वायु सेनाएं साथ मिलकर अलग–अलग हवाई अभियानों और ऑपरेशनल गतिविधियों में हिस्सा लेंगी। 'वीर गार्जियन 2026' में शामिल होने के लिए जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स की टुकड़ी पहले ही जोधपुर पहुंच चुकी थी। जापानी दल के पहुंचने के साथ ही अभ्यास की तैयारियों को आगे बढ़ाया गया। जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के दो सी–2 परिवहन विमान जोधपुर वायुसेना स्टेशन पर उतरे। इन विमानों के जरिए जापानी दल अभ्यास में अपनी भागीदारी के लिए जोधपुर पहुंचा है। इस बार के अभ्यास में जापान के एफ–2 लड़ाकू विमान भी हिस्सा ले रहे हैं। जापानी एफ–2 विमानों की भागीदारी इस संयुक्त अभ्यास को खास बनाती है।

भारत को मिला नया महासागरीय अनुसंधान पोत, गहरे समुद्र की खोज को मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली, 09 सितम्बर।

भारत ने समुद्री विज्ञान और गहरे समुद्र की खोज के लिए एक नया और उन्नत अनुसंधान पोत ORV सागर मंथन (यार्ड 3041) लॉन्च किया है। 09 सितंबर 2026 को कोलकाता के ऋषि बंकिम शिपयार्ड में यह पोत जलावतरण के लिए तैयार किया गया। इसे गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र के लिए डिजाइन, इंजीनियर और निर्मित किया है।

ORV सागर मंथन एक सामान्य जहाज नहीं, बल्कि समुद्री वैज्ञानिक सर्वेक्षणों, महासागरीय अवलोकनों और गहरे समुद्र में संचालन के लिए बनाया गया विशेष पोत है। इसकी लंबाई 89.5 मीटर है और इसे ऐसे वातावरण में काम करने के लिए तैयार किया गया है, जहां समुद्री परिस्थितियां बेहद चुनौतीपूर्ण होती हैं, खासकर दक्षिणी महासागर जैसे क्षेत्रों में।

इस पोत की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह समुद्र के भीतर खनिज खोज, उप–समुद्री तेल और गैस से जुड़े भूकंपीय सर्वेक्षण, समुद्र तल से नमूने लेने और स्वायत्त तथा रिमोट से संचालित अंडरवॉटर वाहनों की तैनाती जैसे कार्य कर सकेगा। इससे भारत की समुद्री अनुसंधान क्षमता और संसाधन आकलन की तैयारी दोनों मजबूत होंगी।

यह पोत भारत सरकार के डीप ओशन मिशन के तहत वर्टिकल–4, यानी डीप ओशन सर्वे एंड एक्सप्लोरेशन के अंतर्गत बनाया गया है। इस परियोजना की लागत लगभग 840 करोड़ रुपये बताई गई है और पोत की अनुमानित सेवा अवधि 30 वर्ष है। यह पहल भारत की उस दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत समुद्र के भीतर मौजूद संसाधनों, भूगर्भीय संरचनाओं और जैविक विविधता का वैज्ञानिक अध्ययन किया जा रहा है।

ORV सागर मंथन, भारत के पुराने बहुउद्देशीय महासागरीय अनुसंधान पोत व्ट सागर कन्या की जगह लेगा। ORV सागर कन्या को 1983 में जर्मनी से खरीदा गया था और उसने 43 वर्षों तक सेवा दी। नए पोत के आने से भारत को आधुनिक उपकरणों, बेहतर संचालन क्षमता और अधिक गहराई तक वैज्ञानिक पहुंच का लाभ मिलेगा।

यह लॉन्च भारत के समुद्री अनुसंधान ढांचे में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अब देश के पास ऐसा प्लेटफॉर्म होगा, जो केवल सर्वेक्षण ही नहीं बल्कि समुद्र के भीतर जटिल वैज्ञानिक अभियानों को भी समर्थन दे सकेगा। इससे समुद्री संसाधनों के आकलन, पर्यावरणीय अध्ययन और भविष्य की ऊर्जा संभावनाओं पर काम आसान होगा।

नई दिल्लीः ब्रिक्स डब्ल्यू.बी.ए महिला नेतृत्व विकास शिखर सम्मेलन का आयोजन

नई दिल्ली, 09 सितम्बर।

राजधानी में आज ब्रिक्स डब्ल्यू.बी.ए महिला नेतृत्व विकास शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रुप में नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज शामिल हुई। सम्मेलन में ब्रिक्स देशों की महिला बिज़नेस लीडर्स, सरकारी अधिकारियों, इनोवेटर्स और उद्यमियों को एक साथ लाया गया। साथ ही महिलाओं के नेतृत्व में हुए प्रगति का जश्न मनाया गया और देशों के बीच सहयोग के भविष्य को आकार देने पर चर्चा की गई।

इसके अलावा, सभी प्रतिनिधियों ने मिलकर ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं में महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास, वित्तीय समावेशन और आर्थिक मज़बूती को बढ़ाने के तरीकों पर भी ज़ोर दिया।

संवाददाताओं से बातचीत में सुश्री स्वराज ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और पिछले 12 वर्षों में भारत द्वारा तैयार किए गए नीतिगत ढांचे के अंतर्गत, दुनिया यह पूछ रही है कि विकास की कहानी में और अधिक महिलाओं को कैसे शामिल किया जाए।

चीन में आयोजित होने वाली विश्व कौशल प्रतियोगिता में पहली बार 11 नई कौशल श्रेणियों में भाग लेगा भारत

नई दिल्ली, 09 सितम्बर।

भारत इस महीने की 22 से 27 तारीख तक चीन के शंघाई में आयोजित होने वाली 48वीं विश्व कौशल प्रतियोगिता में पहली बार 11 नई कौशल श्रेणियों में भाग लेगा। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने बताया है कि 'टीम स्किल इंडिया' कुल 64 में से 63 कौशल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेगी, जिसमें लगभग 70 प्रतियोगियों का दल शामिल हो रहा है।

मंत्रालय के अनुसार, ऐसे आयोजन में यह अब तक का भारत का सबसे बड़ा और सबसे विविधतापूर्ण प्रतिनिधित्व है। जिन 11 नए कौशलों में भारत पहली बार प्रतिस्पर्धा करने जा रहा है, उनमें डेंटल प्रोस्थेटिक्स और डिजिटल इंटरएक्टिव मीडिया डिज़ाइन शामिल हैं। भारत की इस भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की सचिव देबाश्री मुखर्जी ने कहा कि इन नए कौशलों में भारत का शामिल होना देश के कौशल तंत्र के विकास को दर्शाता है। यह हमारे युवाओं को भविष्य की ज़रूरतों और वैश्विक स्तर के अनुकूल तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि मजबूत साझेदारी और कड़े अभ्यास के माध्यम से सरकार युवाओं को पूरे आत्मविश्वास के साथ वैश्विक मानकों पर मुकाबला करने के योग्य बना रही है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि इन नई श्रेणियों में भारत की भागीदारी देश के कौशल विकास तंत्र की बढ़ती परिपक्वता और गहराई को प्रदर्शित करती है।

वायुसेना को जल्द मिलेगी ट्रेनर विमानों की पहली खेप, एचएएल डिलीवर करेगा तीन एचटीटी–40 एयरक्राफ्ट

बेंगलुरु, 09 सितम्बर।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) भारतीय वायुसेना को लंबे समय से प्रतीक्षित HTT–40 बेसिक ट्रेनर विमानों का पहला बैच सौंपने के लिए तैयार है। रविवार को अधिकारियों ने बताया कि इन नए विमानों के शामिल होने से वायुसेना को अपने पायलटों की बढ़ती ट्रेनिंग को आसान बनाने में काफी मदद मिलेगी।

अधिकारियों ने बताया कि तीन HTT–40 (हिंदुस्तान टर्बो ट्रेनर–40) विमान डिलीवरी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इनमें से दो का निर्माण बेंगलुरु में और एक का नासिक में किया गया है। भारतीय वायुसेना ने तीन साल पहले अपने नए पायलटों की ट्रेनिंग के लिए 6,838 करोड़ की लागत से 70 बेसिक ट्रेनर विमानों का ऑर्डर दिया था। अनुबंध के तहत, एचएएल को वित्तीय वर्ष 2025–26 में 12 ट्रेनर विमान वायुसेना को सौंपने थे, लेकिन इंजनों की कमी के कारण वह एक भी विमान की डिलीवरी नहीं कर सका था।

हालांकि, अब अमेरिकी कंपनी हनीवेल ने सप्लाई चेन की बाधाओं को दूर करते हुए कुछ महीने पहले TPE331–12B टर्बोप्रॉप इंजनों का पहला बैच सौंप दिया है। कंपनी ने सरकारी स्वामित्व वाले HAL को भविष्य में भी समय पर इंजनों की आपूर्ति का आश्वासन दिया है। 88 TPE331–12B इंजन और किट्स की आपूर्ति व निर्माण के लिए चार साल पहले 100 मिलियन डॉलर का अनुबंध साइन किया गया था। इसके तहत हनीवेल को सितंबर 2025 में पहला इंजन सौंपना था।

इस सौदे के अनुसार, अमेरिकी कंपनी 16 इंजन सीधे तौर पर सप्लाई करेगी, जबकि बाकी इंजनों का निर्माण तकनीकी हस्तांतरण के माध्यम से HAL द्वारा भारत में ही किया जाएगा। भारतीय वायुसेना की जरूरतों को जल्द से जल्द पूरा करने के उद्देश्य से, पिछले साल अक्टूबर में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने नासिक में HTT–40 बेसिक ट्रेनर और LCA-Mk1A की प्रोडक्शन लाइन का उद्घाटन किया था।

अपनी क्षमता का विस्तार करने के बाद, HAL अब बेंगलुरु और नासिक स्थित अपनी फैक्ट्रियों में मिलाकर हर साल कुल 20 HTT–40 विमानों का उत्पादन कर सकता है। वर्तमान में, वायुसेना के सभी नए पायलटों की शुरुआती स्टेज–I फ्लाइंग ट्रेनिंग स्विस मूल के पिलाटस PC–7 MkII बेसिक ट्रेनर विमानों पर की जाती है।

स्टेज–I की ट्रेनिंग सभी पायलटों के लिए समान होती है। इसके बाद पायलटों को तीन अलग–अलग स्ट्रीम फाइटर, ट्रांसपोर्ट और हेलिकॉप्टर में बांट दिया जाता है। फाइटर स्ट्रीम के लिए चुने गए पायलट अपनी स्टेज–II की ट्रेनिंग PC–7 MkII और स्वदेशी किरण Mk-1A जेट ट्रेनर्स पर पूरी करते हैं। इसके बाद, अंतिम यानी स्टेज–III की ट्रेनिंग के लिए वे ब्रिटिश मूल के हॉक एडवांस्ड जेट ट्रेनर विमानों पर उड़ान भरते हैं।

श्रम मंत्रालय 11 सितंबर से राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगा

नई दिल्ली, 09 सितंबर

श्रम और रोज़गार मंत्रालय, महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर, 11 और 12 सितम्बर को मुंबई में बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स – बी.ओ.सी.डब्ल्यू पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगा। इस सम्मेलन की अध्यक्षता केंद्रीय श्रम और रोज़गार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया करेंगे।

श्रम और रोज़गार मंत्रालय ने कहा कि यह सम्मेलन बदलते बी.ओ.सी.डब्ल्यू ढांचे का जायजा लेने और कल्याण बोर्डों के कामकाज को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। मंत्रालय ने कहा कि सम्मेलन में पिछले वर्ष नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन में शुरू की गई तीन प्रमुख पहलों पर हुई प्रगति की भी समीक्षा की जाएगी। ये पहल हैं – राज्य बी.ओ.सी.डब्ल्यू डिजिटल लेबर चौक, लेबर चौक–सह–सुविधा केंद्र और ऑनलाइन बी.ओ.सी.डब्ल्यू सेस कलेक्शन पोर्टल।

जवाहर नवोदय विद्यालयों के लिए 27वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह आज

नई दिल्ली, 09 सितंबर

जवाहर नवोदय विद्यालयों के लिए 27वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता – 2025–26 का पुरस्कार वितरण समारोह कल नई दिल्ली के संसद भवन परिसर में आयोजित किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू इस समारोह की अध्यक्षता करेंगे और प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और विद्यालयों को पुरस्कार प्रदान करेंगे।

संसदीय कार्य मंत्रालय पिछले 30 वर्षों से जवाहर नवोदय विद्यालयों में युवा संसद प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहा है। जवाहर नवोदय विद्यालयों के लिए राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता योजना के अंतर्गत, इस श्रृंखला की 27वीं प्रतियोगिता 2025–26 के दौरान पूरे भारत में नवोदय विद्यालय समिति के 8 क्षेत्रों के 100 विद्यालयों में आयोजित की गई थी।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवसः चुप्पी नहीं, संवेदनशील बातचीत जरूरी! आत्महत्या रोकथाम पर बदलें अपना नजरिया

नई दिल्ली, 09 सितंबर (आईएएनएस)।

कई बार इंसान बाहर से बिल्कुल सामान्य नजर आता है, लेकिन उसके भीतर क्या चल रहा है, यह किसी को पता नहीं होता। उस मुस्कुराते चेहरे के पीछे चिंता, अकेलापन, निराशा या गहरा भावनात्मक दर्द छिपा हो सकता है। ऐसे में किसी की परेशानी को नजरअंदाज करने के बजाय उसकी बात सुनना और उसे समझने की कोशिश करना बेहद जरूरी है। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस का संदेश भी यही है कि चुप्पी नहीं, बातचीत बदलाव की शुरुआत हो सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की मानें तो हर साल दुनिया में 7.2 लाख से ज्यादा लोग आत्महत्या के कारण अपनी जान गंवाते हैं। हर एक मौत सिर्फ एक व्यक्ति को नहीं खोती, बल्कि परिवार, दोस्तों, सहकर्मियों और पूरे समुदाय पर गहरा भावनात्मक और सामाजिक असर छोड़ती है। इसका आर्थिक प्रभाव भी पड़ता है। इसलिए आत्महत्या को केवल व्यक्तिगत समस्या मानने के बजाय इसे एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती के रूप में समझना जरूरी है।

साल 2026 में "आत्महत्या के बारे में सोच बदलना" थीम का तीसरा और अंतिम वर्ष है। इसका उद्देश्य है कि आत्महत्या को लेकर बने डर, गलत धारणाओं और सामाजिक कलंक को कम किया जाए। किसी व्यक्ति के मानसिक संघर्ष को कमजोरी समझने के बजाय संवेदनशीलता से देखा जाए और उसे मदद लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

अक्सर लोग यह सोचकर चुप रह जाते हैं कि कहीं आत्महत्या जैसे विषय पर बात करने से स्थिति और खराब न हो जाए। लेकिन जरूरत इस बात की है कि ऐसे विषयों पर बिना जज किए, शांत और संवेदनशील तरीके से बातचीत की जाए। अगर कोई व्यक्ति लगातार निराश दिखाई दे, खुद को लोगों से अलग करने लगे, व्यवहार में अचानक बदलाव आए या जीवन को लेकर बहुत नकारात्मक बातें करे, तो उसकी बात को गंभीरता से लेना चाहिए। हर संकेत का मतलब एक जैसा नहीं होता, लेकिन परेशान व्यक्ति तक पहुंचने और उसकी बात सुनने में देर नहीं करनी चाहिए।

यह भी समझना जरूरी है कि आत्महत्या के पीछे केवल मानसिक बीमारी ही जिम्मेदार नहीं होती। कई बार व्यक्तिगत संकट, सामाजिक परिस्थितियां, आर्थिक परेशानी, रिश्तों में तनाव, अकेलापन और दूसरी परिस्थितियां भी किसी व्यक्ति की मानसिक स्थिति को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए समाधान भी सिर्फ एक स्तर पर नहीं, बल्कि परिवार, समाज, स्वास्थ्य व्यवस्था और सरकार– सभी की साझा जिम्मेदारी से संभव है।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की शुरुआत वर्ष 2003 में आत्महत्या रोकथाम के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ मिलकर की थी। हर साल 10 सितंबर को दुनिया भर में इस दिन के जरिए आत्महत्या की रोकथाम के लिए जागरूकता बढ़ाई जाती है और यह संदेश दिया जाता है कि आत्महत्याओं को रोकने के लिए मिलकर प्रयास किए जा सकते हैं।–आईएएनएस

अपने वाई–फाई को भी बनाएं सुरक्षित, वरना हैकर की पहुंच आपके घर तक

नई दिल्ली, 09 सितम्बर।

आज के दौर में वाई–फाई सिर्फ इंटरनेट चलाने का माध्यम नहीं, बल्कि घर और कार्यालय के मोबाइल, लैपटॉप, स्मार्ट टीवी और अन्य स्मार्ट डिवाइस को जोड़ने वाला डिजिटल नेटवर्क है। ऐसे में यदि वाई–फाई राउटर की सुरक्षा कमजोर है तो अनधिकृत डिवाइस आपके नेटवर्क से जुड़कर न केवल इंटरनेट की गति और डेटा खपत को प्रभावित कर सकते हैं, बल्कि डेटा लीक, साइबर फ्रॉड, हैकिंग और निजी जानकारी की सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा कर सकते हैं।

यदि किसी व्यक्ति को संदेह है कि उसके वाई–फाई नेटवर्क से कोई अनधिकृत डिवाइस जुड़ा हुआ है, तो वह अपने मोबाइल या लैपटॉप को उसी वाई–फाई नेटवर्क से कनेक्ट कर ब्राउजर के माध्यम से राउटर का एडमिन पेज खोल सकता है। राउटर के एडमिन यूजरनेम और पासवर्ड से लॉगिन करने के बाद कनेक्टेड डिवाइसेस, डिवाइस लिस्ट या अटैच्ड डिवाइसेस जैसे विकल्पों में नेटवर्क से जुड़े उपकरणों की जानकारी देखी जा सकती है। किसी अनजान डिवाइस की पहचान होने पर उसे नेटवर्क से हटाया जा सकता है।

राउटर की सेटिंग्स में जाकर निर्माता द्वारा दिया गया डिफॉल्ट 'एडमिन' पासवर्ड तुरंत बदलें। राउटर की सेटिंग्स सामान्यतः 192.168.1.1 या 192.168.0.1 जैसे एड्रेस से खोली जा सकती हैं। वाई–फाई पासवर्ड मजबूत रखें और उसमें बड़े–छोटे अक्षर, संख्याएं तथा विशेष चिन्हों का मिश्रण रखें। साथ ही एसएसआईडी यानी वाई–फाई का नाम ऐसा रखें जिससे आपकी व्यक्तिगत पहचान या राउटर के ब्रांड का आसानी से पता न चले।

वाई–फाई की सुरक्षा के लिए राउटर में डब्ल्यूपीए3 एन्क्रिप्शन चालू रखने की सलाह दी गई है। यदि डब्ल्यूपीए3 उपलब्ध नहीं है तो कम से कम डब्ल्यूपीए2–एईएस का उपयोग करें। पुराने डब्ल्यूईपी या डब्ल्यूपीए मोड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

साइबर सुरक्षा मजबूत रखने के लिए राउटर का डब्ल्यूपीएस (वाई–फाई प्रोटेक्टेड सेटअप) फीचर बंद रखने की सलाह दी गई है। इसी तरह रिमोट मैनेजमेंट को भी डिसेबल रखें, ताकि इंटरनेट के माध्यम से बाहर से कोई व्यक्ति राउटर की सेटिंग्स तक पहुंचने की कोशिश न कर सके।

घर में स्मार्ट टीवी, स्मार्ट उपकरण या अन्य आईओटी डिवाइस इस्तेमाल करने वाले लोगों को इन्हें मुख्य वाई–फाई नेटवर्क से अलग रखने के लिए गेस्ट नेटवर्क का उपयोग करना चाहिए। इससे मुख्य नेटवर्क से जुड़े मोबाइल, लैपटॉप और अन्य महत्वपूर्ण डिवाइस को अतिरिक्त सुरक्षा मिलती है। राउटर का सॉफ्टवेयर भी रखें अपडेट

राउटर के फर्मवेयर को नियमित रूप से अपडेट करते रहें, ताकि निर्माता द्वारा जारी किए गए नए सुरक्षा पैच मिलते रहें। इसके साथ ही सुरक्षा बढ़ाने के लिए विश्वसनीय डिवाइसों के मैक एड्रेस को व्हाइटलिस्ट करने की सुविधा का भी उपयोग किया जा सकता है।

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि वाई–फाई नेटवर्क से छेड़छाड़, साइबर ठगी, हैकिंग या किसी अन्य साइबर अपराध की घटना सामने आती है तो बिना देरी किए निकटतम पुलिस थाना या साइबर पुलिस स्टेशन को सूचना दें। साइबर अपराध की शिकायत राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल https://cybercrime.gov.in पर की जा सकती है।

औषधीय गुणों से भरपूर है बेल का पेड़, आयुष मंत्रालय ने बताए इसके चमत्कारी गुण

नई दिल्ली, 09 सितम्बर।

भारत में पेड़–पौधों का महत्व सिर्फ पर्यावरण तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि प्राचीन समय से ही कई पौधों का इस्तेमाल औषधीय जरूरतों के लिए भी किया जाता रहा है। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण पौधा है बेल, जिसे संस्कृत में बिल्व और अंग्रेजी में वुड एप्पल कहा जाता है। नेशनल मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड, आयुष मंत्राल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बेल के औषधीय महत्व से जुड़ी जानकारी साझा की है।

वनस्पति विज्ञान में बेल का नाम एगल मार्मेलोस है और यह रैसेसी परिवार से संबंधित है। यह पेड़ मुख्य रूप से भारत और दक्षिण–पूर्व एशिया का मूल निवासी माना जाता है। भारत में यह सूखे जंगलों और मैदानी क्षेत्रों में आमतौर पर देखने को मिलता है। खास बात यह है कि बेल अलग–अलग तरह की जलवायु में भी आसानी से पनप सकता है और कम उपजाऊ मिट्टी में भी अच्छी तरह बढ़ने की क्षमता रखता है।

बेल का पेड़ मध्यम आकार का पर्णपाती वृक्ष होता है, जिसकी ऊंचाई करीब 15 मीटर तक पहुंच सकती है। इसकी पत्तियां तीन पत्तियों वाले समूह यानी त्रिपर्णी होती हैं और इनमें हल्की सुगंध होती है। बेल के फूल हरे–सफेद रंग के और सुगंधित होते हैं। इसका फल कच्चा और सूखने के बाद भी कई पारंपरिक उपयोगों में काम आता है।

आयुर्वेद में बेल को लंबे समय से महत्वपूर्ण औषधीय पौधे के रूप में देखा जाता है। इसके फल, पत्तियां और जड़ विभिन्न पारंपरिक औषधीय उपयोगों में इस्तेमाल किए जाते हैं। विशेष रूप से बेल के फल को पाचन तंत्र से जुड़ी समस्याओं में उपयोगी माना जाता है। राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के अनुसार इसमें एंटी–डायरियल, एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल जैसे औषधीय गुण बताए गए हैं। इसके अलावा इसमें एंटीबायोटिक और ब्रोंकोडायलेटर गतिविधियों का भी जिक्र किया गया है।

बेल का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व भी काफी गहरा है। भगवान शिव की पूजा में बेलपत्र चढ़ाने की परंपरा सदियों पुरानी है। यही वजह है कि बेल का पेड़ भारतीय परंपरा में औषधीय उपयोग के साथ–साथ आध्यात्मिक दृष्टि से भी विशेष स्थान रखता है।–आईएएनएस